# Signature and Name of Invigilator 1. (Signature) \_\_\_\_\_\_ (In figures as per admission card) (Name) \_\_\_\_\_\_ 2. (Signature) \_\_\_\_\_ (In words) Test Booklet No.

D-6709

Time : 2 \(^1/\_2\) hours PAPER-III [Maximum Marks : 200 ARCHAEOLOGY

Number of Pages in this Booklet: 40

# **Instructions for the Candidates**

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

#### No Additional Sheets are to be used.

- 3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
  - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
- 4. Read instructions given inside carefully.
- 5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- 6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- 7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- 8. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 9. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

Number of Questions in this Booklet: 26

# परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- 1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

# इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।

- 3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्निलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है:
  - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
- 4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपर्वक पढें।
- 5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- 6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।
- 9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।

D-6709 P.T.O.

# ARCHAEOLOGY पुरातत्त्व विज्ञान

PAPER – III प्रश्नपत्र – III

**Note:** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट: यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

# **SECTION - I**

#### खंड \_ I

**Note:** This section contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and carries **five (5)** marks.

 $(5 \times 5 = 25 \text{ Marks})$ 

नोट: इस खंड में निम्निलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । (5 × 5 = 25 अंक)

In the age of the Buddha Eastern UP and Bihar became the epicentre of the manufacture of wrought iron, minting of coins and the use of Northern Black Polished (NBP) ware which was evidently meant for the richer sections of society. All these changes transformed the material life of the people. Some iron artefacts indicate the acquaintance of its users with the iron ores of Singhbhum and Mayurbhanj, which shows that, by the middle of the first millennium B.C. approximately, people had become familiar with working the richest iron mines in South Bihar. The blacksmiths learnt to put more carbon in the iron artefacts which became more serviceable. In a way the age of the Buddha marked the beginning of the second phase in the history of iron when its use was substantially extended to cover crafts, clearance and cultivation. Of course such iron tools, though mentioned, in early Pali and Sanskrit texts, have not been found in sufficiently large numbers in the middle Gangetic basin, but their corrosion and even disappearance are easily explained by the moist, humid soil in which they came to be placed. The widespread use of iron helped the clearance of the thickly forested area of the middle Gangā basin, and the use of the iron ploughshare led to the production of considerable surplus. People practised paddy transplantation or wet paddy production which doubled the yield. All this led to the establishment of large rural settlements and paved the way for the rise of towns in the middle Gangetic basin or Majjhimadeśa around the sixth century B.C. What is overwhelmingly important from our point of view in 500-300 B.C. is not the complete break with the elements of the material life of the chalcolithic settlements, which in any case had a shorter life and were much smaller in number in the alluvial soil of the middle Gangetic basin, but considerable clearance followed by the burgeoning of rural settlements, as evidenced by the reported finds of nearly 450 NBP sites in the middle Gangetic basin and its periphery.

बुद्ध के काल में पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार, पिटवा लोहे के निर्माण, सिक्कों के निर्माण तथा उत्तर कृष्ण मार्जित (एन. बी. पी.) मृद्-भाण्ड के प्रयोग, जो मूलरूपेण समाज के समृद्ध वर्ग के निमित्त था, का मुख्य केन्द्र बन गया था । इन सब परिवर्तनों के कारण जन साधारण के भौतिक जीवन का भी परिमार्जन हुआ । ई.पू. प्रथम सहस्त्राब्दी तक दक्षिण बिहार के समृद्ध लौह खदानों का बोध इन लोगों को हो गया था, यह लौह वस्तुओं से प्रमाणित है जिसके उपयोगकर्ता सिंहभूम व मयूरभंज के लौह ढ़ोकों से परिचित थे। लौहकर्मी भी लोहे में अधिक कार्बन मिश्रित करने लगे थे जिसके कारण इनकी उपयोगिता बढ़ गई थी। बुद्ध काल लोहे के इतिहास के द्वितीय युग का प्रारंभ था जब इसकी उपयोगिता उद्योग, सफाई तथा कृषि के क्षेत्रों तक प्रसिरत हो गई थी। वस्तुत: ऐसे लौह उपकरण जिनका उल्लेख प्रारंभिक पाली तथा संस्कृत ग्रंथों में आता है मध्य गांगेय क्षेत्र से अधिक संख्या में प्राप्त नहीं हुए हैं, पर उनका जंग और विलोपन भी नमीयुक्त मिट्टी में दबे होने के कारण हो गया, ऐसा माना जा सकता है। लौह का प्रचुर प्रयोग मध्य गांगेय क्षेत्र के घने जंगलों को साफ करने में सहायक था तथा लौह-हल अधिशेष खाद्यान उत्पादन का कारण था। धान रोपण या नम धान की खेती की प्रथा के कारण खेती की पैदावार दुगुनी हो गई। इन सब के कारण बड़े ग्रामीण सिन्नवेशों की स्थापना हुई, जिससे ई.पू. छठी शताब्दी में मध्य गांगेय क्षेत्र या मध्य देश में नगरों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। हमारी दृष्टि से यह विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण था कि लगभग ई.पू. 500-300 का भौतिक जीवन ताम्राष्ट्रक सिन्नवेशों से पूर्णतया बदला हुआ नहीं था जो अल्पकालीन तथा संख्या में अत्यधिक कम, मध्य गांगेय क्षेत्र के जलोढ़ मृदा पर स्थित स्थलों से प्रमाणित है। परन्तु कालान्तर में मध्य गांगेय क्षेत्र व उसकी परिधि में ग्रामीण सिन्नवेशों की अभिवृद्धि से काफी सफाई हुई, जो इस क्षेत्र से खोजे गये 450 एन. बी. पी. कालीन स्थलों से प्रमाणित है।

1.	What were the main resource areas of iron exploited by the NBPW sites of the Ganga plain?
	गंगा के मैदान की एन. बी. पी. डब्ल्यू स्थलों द्वारा लोहे के किन स्रोत क्षेत्रों का दोहन किया गया ?

2.	What was the impact of wrought iron on the settlements of the middle Ganga plain? मध्य गांगेय मैदान के सिन्नवेशों पर पिटवा लोहे का क्या प्रभाव पड़ा?
3.	What was the role of iron in the growth of second urbanization ? द्वितीय नगरीकरण के विकास में लोहे का क्या योगदान था ?

4.	Name the coins and mention their date bracket which was in use during <u>Janpada</u> period.
	जनपद काल में प्रचलित सिक्कों को नामांकित कीजिए तथा उनके तिथि क्रम को लिखिए ।
5.	What was the vegetation of Ganga plain at the time of Buddha?
	बुद्ध काल में गंगा के मैदान की वनस्पितयाँ क्या थीं ?

6

D-6709

# **SECTION - II**

# खण्ड – II

Note:	This section contains <b>fifteen</b> (15) questions, each to be answered in about <b>thirty</b> (30) words. Each question carries <b>five</b> (5) marks.
	$(15 \times 5 = 75 \text{ Marks})$
नोट :	इस खंड में <b>पाँच-पाँच (5-5)</b> अंकों के <b>पंद्रह (15)</b> प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग <b>तीस (30)</b> शब्दों में अपेक्षित है ।
	$(15 \times 5 = 75 अंक)$
6. De	escribe three dimensional recording.
त्रिवि	वमीय अंकन का वर्णन कीजिए ।

7.	What was the climate of Europe during Pleistocene ? Mention its divisions. प्रातिनूतन काल में यूरोप की जलवायु कैसी थी ? इसके विभाजनों का उल्लेख कीजिए ।
8.	What are river terraces ? How are these formed ? नदी वेदिकायें क्या हैं ? इनका निर्माण कैसे होता है ?

9.	What do you know about Zinjauthropus?
	जिनजैन्थ्रापस के बारे में आप क्या जानते हैं ?
10.	What changes occur in cultivated species of wheat ?
10.	गेहूँ के कृषि उत्पादित प्रजाति में कौन से परिवर्तन होते हैं ?
	* · <b>5</b> · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·

11.	Describe a Neolithic age. नव पाषाणिक वसुला का वर्णन कीजिए ।
12.	Enumerate aceramic stage of Kashmir Neolithic. कश्मीर नवपाषाणिक संस्कृति के अमृदभाण्डीय चरण का वर्णन कीजिए ।

13.	Mention significance of Olorgossellie site.
	ओलोरगोसेली स्थल के महत्त्व का उल्लेख कीजिए ।
14.	Write about the ceramic collections of early NEPW levels of middle Ganga plain.
	मध्य गंगा के मैदान की उत्तरीकृष्ण परिमार्जित पात्र परम्परा के प्रारम्भिक स्तरों से प्राप्त पात्र-संग्रहों के बारे में लिखिए ।

15.	What are the main findings from Clacton-an-sea site ? क्लैक्टन-आन-सी स्थल के मुख्य पुरावशेष क्या हैं ?
16.	Write a note on Sultanganj Buddha image in bronze. सुल्तानगंज बुद्ध की कांस्य प्रतिमा पर एक टिप्पणी लिखिए ।

17.	Describe plan of Vishnu temple at Devagarh. देवगढ़ के विष्णु मन्दिर के स्थल-विन्यास का वर्णन कीजिए ।
18.	Describe the sequence of the coins issued by Samudra Gupta. समुद्रगुप्त द्वारा जारी किये गए सिक्कों के क्रम का वर्णन कीजिए ।

19.	Describe the elevation of Sanctuary (Deul) of Kalinga style of temples. कलिंग शैली के मन्दिरों के गर्भ-गृह (देउल) के उत्थापन का वर्णन कीजिए ।
20.	Give an account of Pre-Mauryan Brahmi inscriptions. प्राक् मौर्य युगीन ब्राह्मी अभिलेखों का विवरण दीजिए ।

# **SECTION - III**

#### खंड – III

Note: This section contains **five** (5) questions from each of the electives/specialisations. The candidate has to choose only **one** elective/specialisation and answer all the **five** questions from it. Each question carries **twelve** (12) marks and is to be answered in about **two hundred** (200) words.  $(5 \times 12 = 60 \text{ Marks})$ 

नोट: इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **पाँच (5)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से **पाँचों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **बारह (12)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **दो सौ (200)** शब्दों में अपेक्षित है । (5 × 12 = 60 अंक)

#### Elective - I

#### विकल्प - I

- 21. Discuss the Pleistocene sequence of Kortlayar Valley. कोर्तलायारी घाटी के प्रातिनृतन कालीन अनुक्रम का विवेचन कीजिए ।
- 22. Describe the stratigraphy and tool-typology of Middle Palaeolithic period. मध्य परापाषाण काल के स्तरीकरण और उपकरण प्रकार का वर्णन कीजिए ।
- 23. Give an account of the Upper Palaeolithic culture of Patne. पटने की उच्च प्रापाषाण संस्कृति का विवरण दीजिये ।
- 24. Critically evaluate archaeological remains of Chopani Mando. चोपनी माण्डो के पुरातात्विक अवशेषों का आलोचनात्मक मृल्यांकन कीजिए ।
- 25. Write a note on Burzahom. बुर्जहोम पर एक टिप्पणी लिखिए ।

#### OR / अथवा

#### Elective - II

#### विकल्प - II

- 21. Give an account of the Pre-Harappan culture of Baluchistan. बल्चिस्तान की प्राकृ हड्डप्पन संस्कृति का विवरण दीजिए ।
- 22. Bring out the salient features of the Harappa civilization. हड़प्पा सभ्यता की प्रमुख विशेषतायें बताइये ।
- 23. Explain the difference between the Sorath and Shindhi Harappan settlements in Gujarat. गुजरात के सोरठ और सिन्धी हडप्पन आवासों की विभिन्तताओं का विश्लेषण कीजिए ।
- 24. Evaluate the Deccan Chalcolithic cultures as revealed from the Inamgaon excavations. इनामगांव के उत्खननों के आधार पर डेकन ताम्रपाषाणिक संस्कृतियों का मृल्यांकन कीजिए।
- 25. Write a detailed note on the early farming cultures of Ganga plain. गंगा के मैदान की प्रारम्भिक कृषक संस्कृतियों पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए ।

# OR/अथवा

#### Elective - III

# विकल्प – III

- 21. Discuss the chronology of Northern Black Polished Ware culture. उत्तरी कृष्ण परिमार्जित पात्र परम्परा संस्कृति के तिथिक्रम का विवेचन कीजिए ।
- 22. Bring out the salient features of the Kaushambi excavation. कौशाम्बी उत्खनन की मुख्य विशेषतायें बताइये ।
- 23. Examine the significance of Vaishali excavation. वैशाली उत्खनन के महत्त्व का परीक्षण कीजिए ।

24. Give an account of excavated remains of Lalkot. लालकोट के उत्खनित अवशेषों का विवरण दीजिए ।

Discuss.

25. Do you agree that Kushan settlements evidence growth of Third Urbanisation in India?

क्या आप सहमत हैं कि कुषाण सिन्नवेश भारत के तृतीय नगरीकरण के विकास का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं ? विवेचना कीजिए ।

# OR/अथवा

# Elective - IV

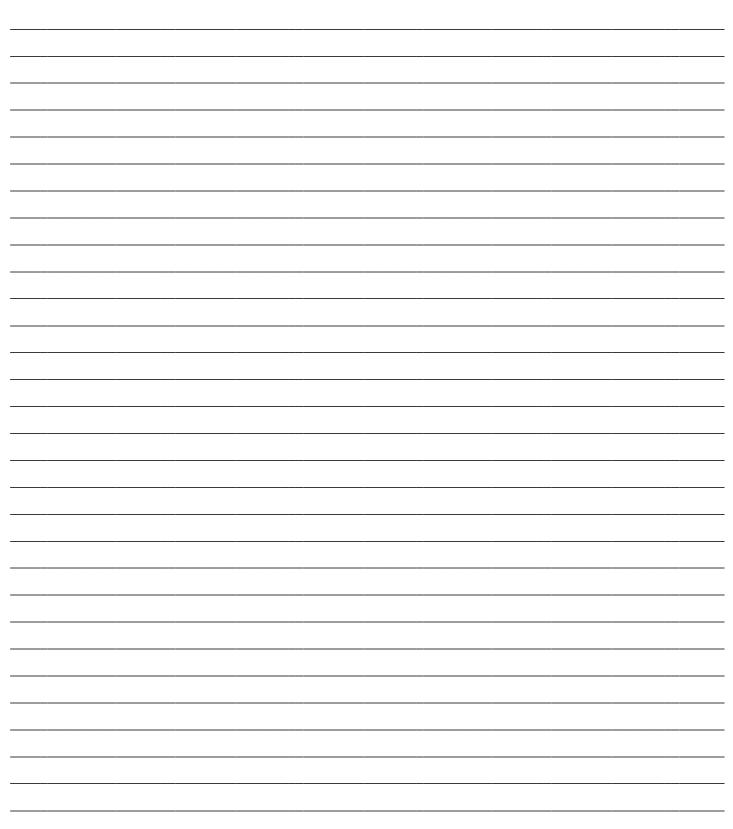
# विकल्प – IV

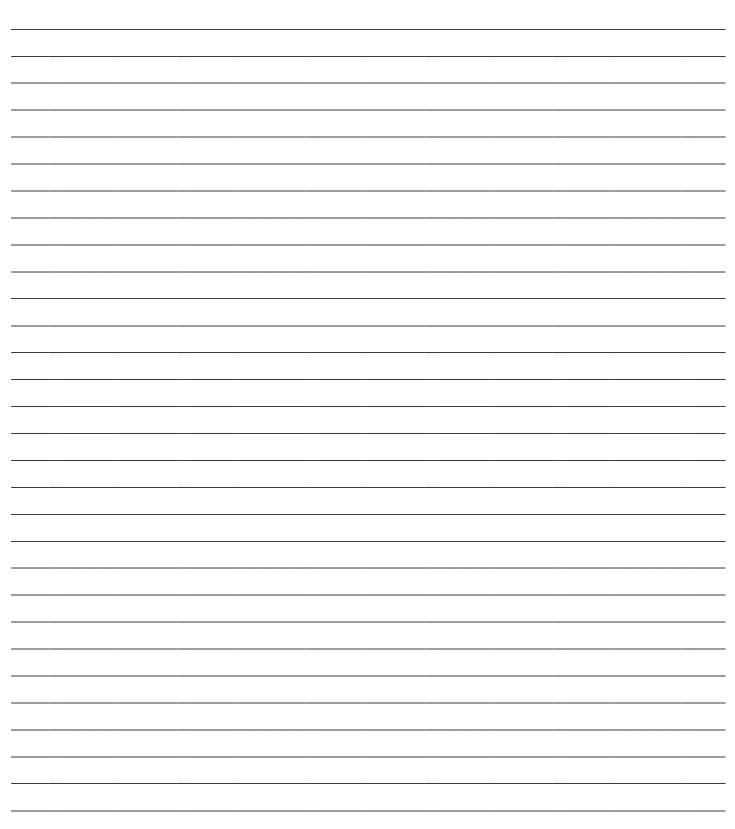
- 21. Discuss the nature and construction of fortification of Sishupalgarh.
  - शिशुपालगढ़ की रक्षा-प्राचीर की प्रकृति और निर्माण का विवेचन कीजिए ।
- 22. Discuss the architectural features of Dhamekh Stupa at Sarnath. सारनाथ के धमेख स्तृप के स्थापत्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।
- 23. Enumerate the main characteristics of Royal Art of Mauryan period. मौर्य कालीन राजकीय कला की मुख्य विशेषताओं का निरूपण कीजिए ।
- 24. Discuss the Dravidian features in the temples of Badami. बादामी के मन्दिरों में द्रविड लक्षणों का विवेचन कीजिए।
- 25. Evaluate the contribution of Mathura School of Sculptures in Indian art. भारतीय कला में मथुरा मूर्तन केन्द्र के योगदान का मूल्यांकन कीजिए ।

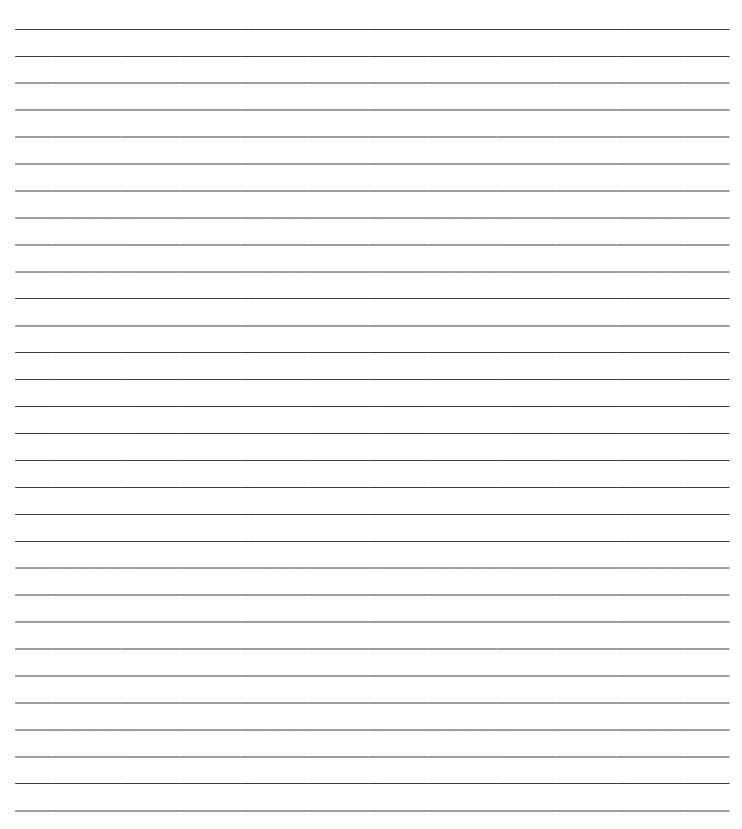
#### OR/अथवा

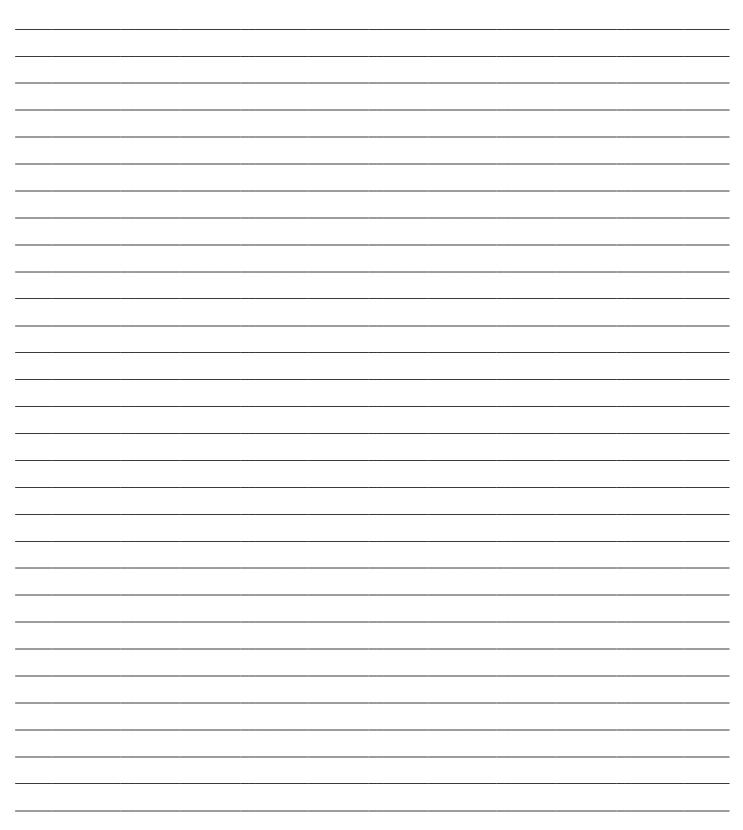
# Elective - V विकल्प - V

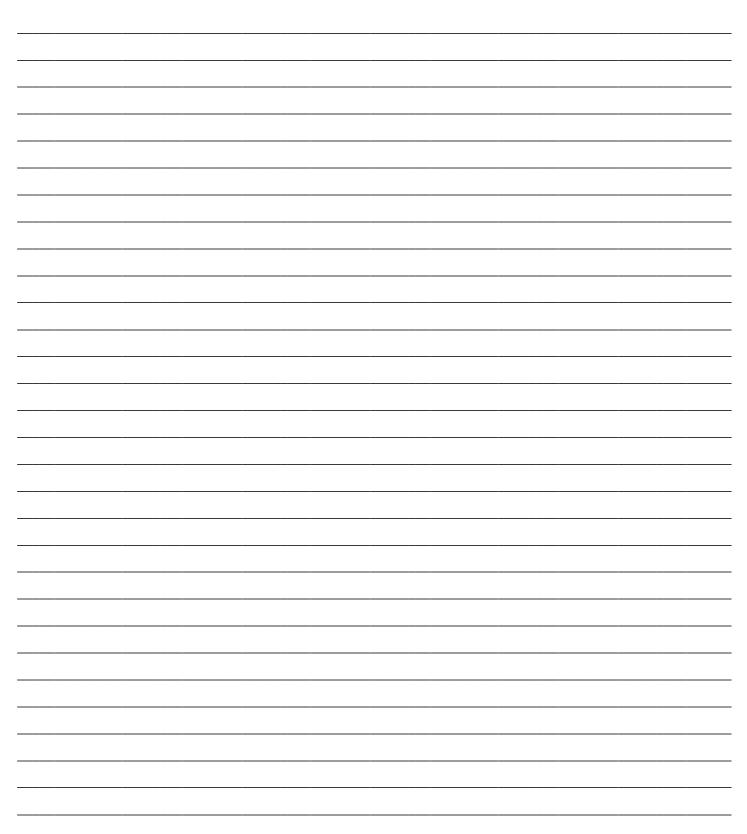
21.	What are the different theories regarding the origin of Brahmi script ? ब्राह्मी लिपि के उद्भव सम्बन्धी विभिन्न मत क्या हैं ?
22.	Bring out the historical significance of Besnagar Garud Pillar inscription. बेसनगर के गरुड़ स्तम्भ अभिलेख के ऐतिहासिक महत्त्व का वर्णन कीजिए ।
23.	Write a note on Silver Punch-marked coins. रजत आहत सिक्कों पर एक टिप्पणी लिखिए ।
24.	Discuss the contents of Tanjavur inscription of Rajendra Chola. राजेन्द्र चोल के तंजौर अभिलेख की विषय-वस्तु का विवेचन कीजिए ।
25.	"Gupta coins marked perfection in executing Indian theme." Comment. "गुप्त मुद्रायें भारतीय विषय-वस्तु के मूर्तन की परिपूर्णता के द्योतक हैं ।" समीक्षा कीजिए ।

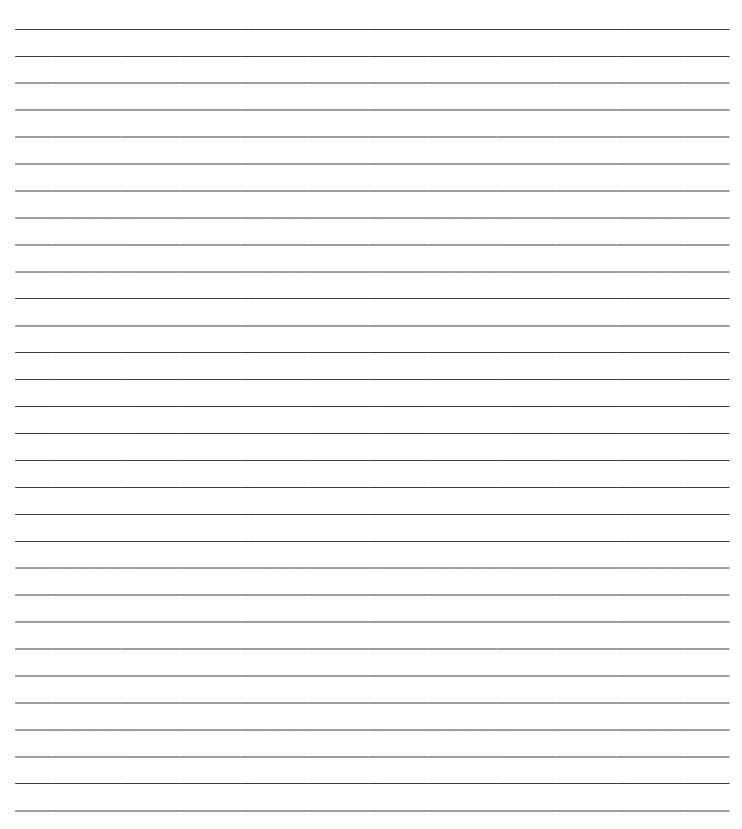










# SECTION - IV खंड - IV

**Note:** This section consists of **one** essay type question of **forty** (40) marks to be answered in about **one thousand** (1000) words on any **one** of the following topics.

 $(1 \times 40 = 40 \text{ Marks})$ 

नोट: इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्निलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है ।  $(1 \times 40 = 40 \text{ sim})$ 

26. (a) "Development of cranial capacity goes hand in hand with the technological growth in Pleistocene period." Discuss with examples.

"प्रातिनूतन काल में तकनीकी विकास वस्तुत: कपालीय क्षमता के विकास का सहभागी था" - उदाहरण सहित वर्णन कीजिए ।

#### OR/अथवा

(b) Discuss the factors that contributed to the development of Harappa civilization with special reference to copper technology.

ताम्र तकनीक के विशेष संदर्भ में हडप्पा सभ्यता के विकास में सहायक कारकों का वर्णन कीजिए ।

# OR/अथवा

(c) Write an essay on the sequence and spread of Brahmi inscriptions. ब्राह्मी अभिलेखों के क्रम एवं विस्तार पर एक निबन्ध लिखिए ।

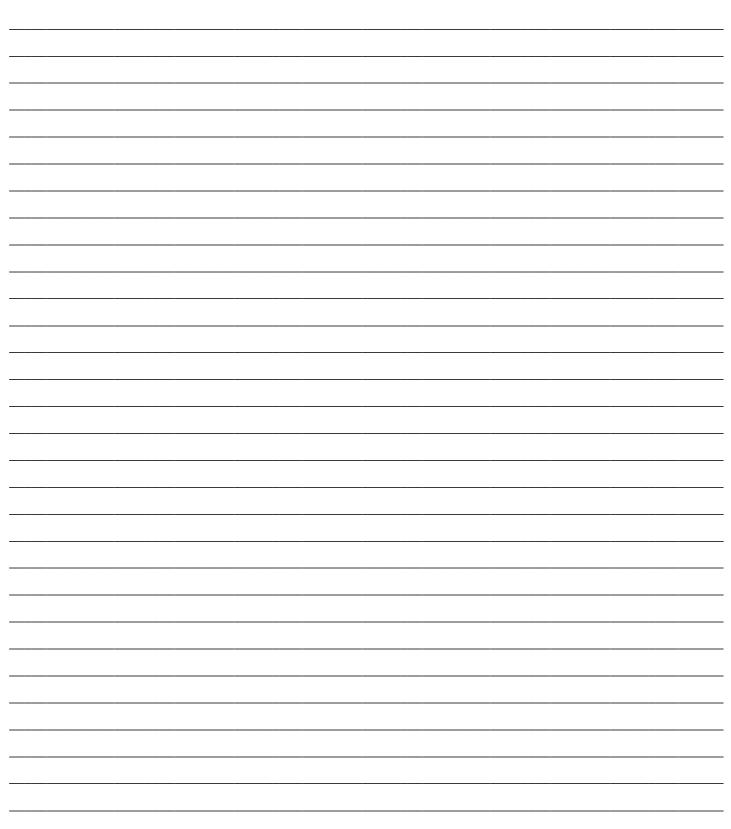
# OR/अथवा

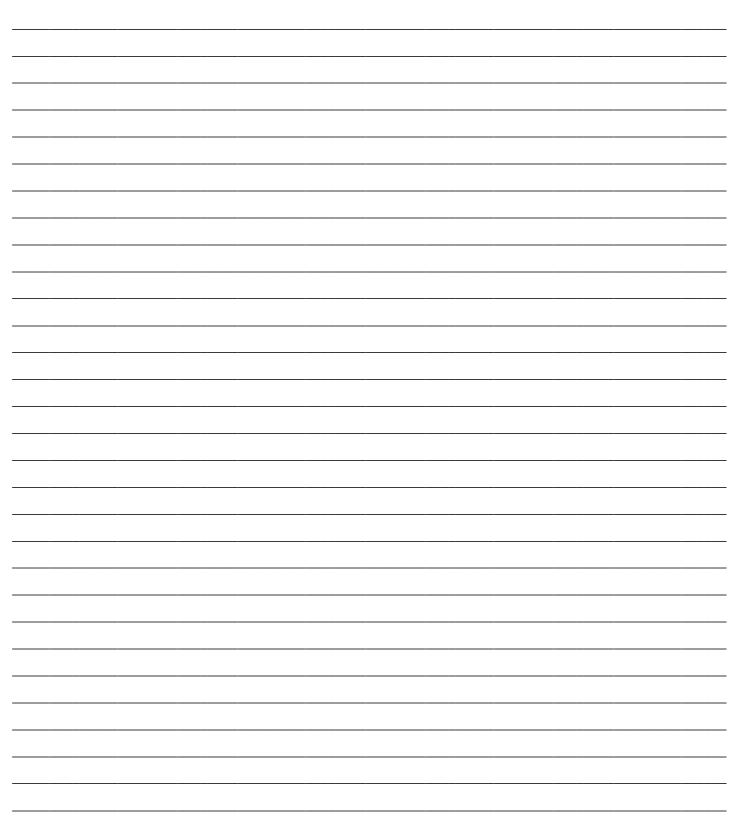
(d) Assess the contribution of Kushan coins in formulating iconography of Indian deities.

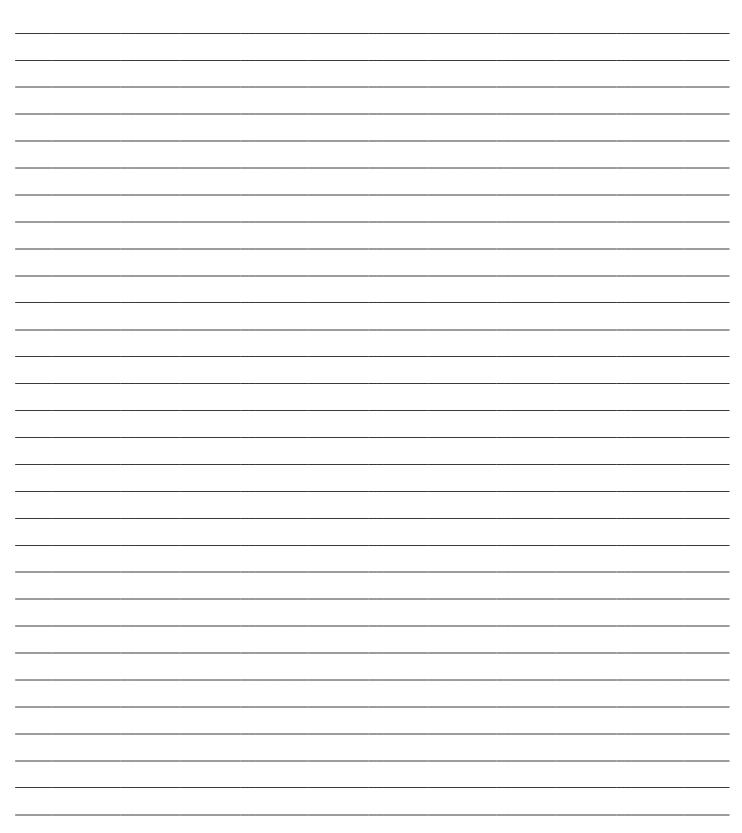
भारतीय देवी-देवताओं की प्रतिमा-विधान के प्रतिपादन में कुषाण मुद्राओं के योगदान का मुल्यांकन कीजिए ।

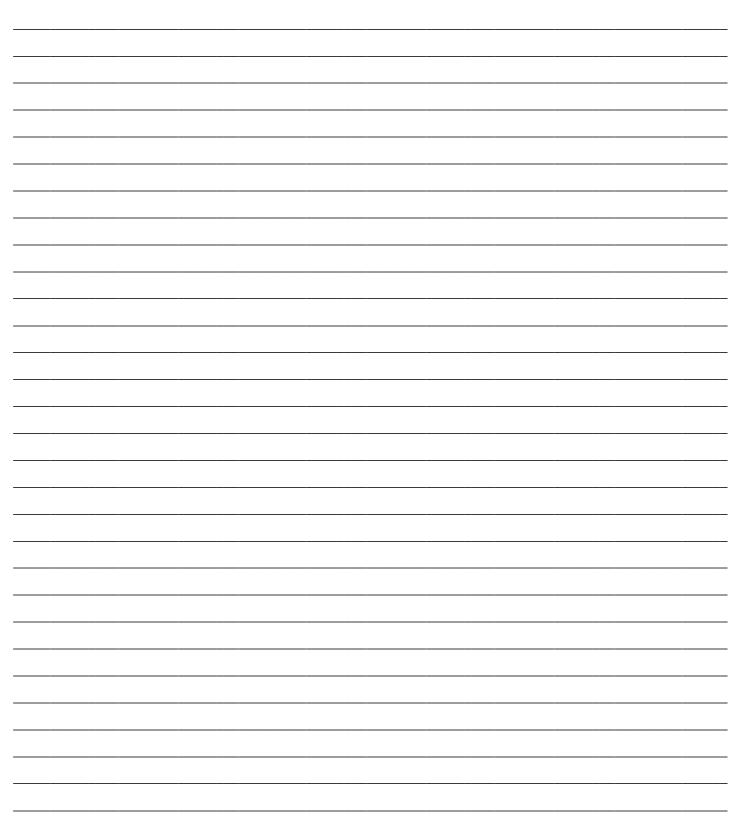
#### OR/अथवा

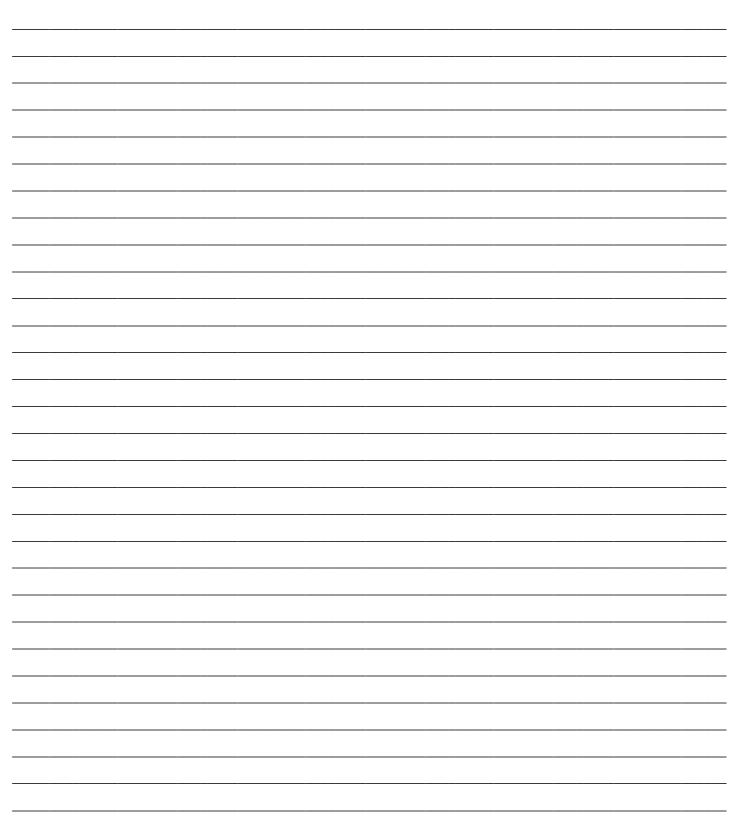
(e) Evaluate the characteristics and development of the temples of Chola period. चोल कालीन मन्दिरों की विशेषताओं एवं विकास का मल्यांकन कीजिए ।











FOR OFFICE USE ONLY		
Marks Obtained		
Question	Marks	
Number	Obtained	
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		

Total Marks Obtained (in wo	ords)
(in fig	gures)
Signature & Name of the Co	ordinator
(Evaluation)	Date